[This question paper contains 8 printed pages.]

(3) Your Roll No. 2023

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3693

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. All Questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य है ।

भाग – (क)

(Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए – (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचवध्यो बलवान् रागमलावलेपः।

(ख) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा। सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम, किमुत समवायः।

(ग) उद्दामदर्पश्चयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून्।

(घ) आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम् । इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवन - विभ्रमभ्रमरी लक्ष्मी: क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्यो रागम, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चै: श्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेरतिनैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद्वदिरह - विनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए - (5×2=10)

Explain any **two** of the following :

(क) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणा: ।

(ख) यौवनारम्भे च प्राय: शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।

(घ) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एवं नश्यति।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the characteristics of Lakshmi on the basis of शुकनासोपदेश.

अथवा / OR

"बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्" पर विस्तृत निबध लिखिए।

Write an essay on the statement "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्".

भाग – (ख)

(Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए – (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रिया: स्यु। दक्षिणा अपि तदभाववहिष्कृता द्वेष्या भवेयु: इति । तथापि का गति: । अविनीतोऽपि न परित्याज्य: पितृपैतामहेरस्मादृशैरयमधिपति: । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारम - श्रूयमाणवच: सर्वया नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम् ।

(ख) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा । दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टदादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्ति:। तेन हीन: सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जनतुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्यभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् । तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिरस्खलित - शासन: शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति ।

(ग) अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम् । आत्मकुक्षेरपि कृते तण्डुलैरियद्भिधरियानोदन: संपद्यते । इयत ओदनस्य पाकायैतावदिन्धनं पर्याप्तमिति मानोन्मानपूर्वकं देयम् । उत्थितेन च राज्ञा क्षालिताक्षालिते मुखे मुष्टिमर्धममुष्टिं वाऽभ्यन्तरीकृत्य कृत्स्नमायव्ययजातमह: प्रथमेऽष्टमे वा भागे श्रोतव्यम् ।

(घ) देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेः, तमकस्मादुच्चावचौरपप्रलोभनैः कदर्थयन्तः स्वार्थ साधयन्ति धूर्ता। तथाहि। केचित्प्रेत्य किल लभ्यैरभ्युदयातिशयैराशामुत्पाद्य, मुण्डयित्वा शिरः, बद्ध्वा दर्भरज्जुभिः, अजिनेनाच्छाद्य, नवनीतेनोपलिप्य, अनशनं च शाययित्वा, सर्वस्य स्वीकरिष्यन्ति।

5. "दण्डिनः पदलालित्यम्" पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write an essay on "दण्डिनः पदलालित्यम्".

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write in your own words the summary of Vishrutacharitam.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्ही **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4.

भाग – (ग)

(Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

कादम्बरी, आख्यायिका, वासवदत्ता, बाणभट्ट

8. संस्कृत साहित्य के आधार पर गद्यकाव्य का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the 'Gadyakavya' on the basis of Sanskrit literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, पुरुषपरीक्षा, शुकसप्तति, वेतालपञ्चविंशतिका ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

(4) Your Roll No. 2023

Deshbandhu College Library Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3844 E

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gita

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(i) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ।

मनः षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ।।

अथवा

Or

श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं प्राणमेव च ।

अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

(ii) सत्त्वं रजस्तम इति गुणाः प्रकृतिसम्भवाः ।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम् ।।

अथवा

Or

रजो रागात्मकं विद्धि तृष्णासङ्गसमुद्भवम् ।

तन्निबध्नाति कौन्तेय कर्मसङ्गेन देहिनम् ।।

(iii) काम एष क्रोध एप रजोगुणसमुद्भवः ।

महाशनो महापाप्मा विद्धयेनमिह वैरिणम् ।।

अथवा

Or

क्लैब्यं मा सम गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप ।।

(iv) प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मचारिव्रते स्थितः ।

मनः संयम्य मच्चित्तो युक्त आसीत मत्परः ।।

अथवा

Or

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः ।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मणः ।।

(v) योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय ।

सिद्ध्यसिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ।।

अथवा

Or

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

2. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन पर निबंध लिखिए । (11)

Write an essay on Self-Management according to *Bhagavad Gita*.

अथवा

Or

भगवद्गीता के अनुसार ध्यान लगाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the Procedure of Meditation according to *Bhagavad Gita.*

3. भगवद्गीता के अनुसार त्रिविध आहार का वर्णन कीजिए। (11)

Describe threefold diet according to *Bhagavad Gita.*

अथवा

Or

आदर्श भक्त के लक्षण बताइए।

Describe the characteristics of an Ideal Devotee?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से **एक संस्कृत भाषा** में होनी चाहिए। (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following, in which one Should be in **Sanskrit Language**

(i) त्रिविध तप (Three fold *Tapas)*

(ii) राजसी बुद्धि *(Rajsi Budhhi)*

(iii) सन्तुलित जीवन (Balanced life)

(iv) मानसिक द्वन्द्र के कारण (Causes of Mental Conflict)

(v) मन *(Mana)*